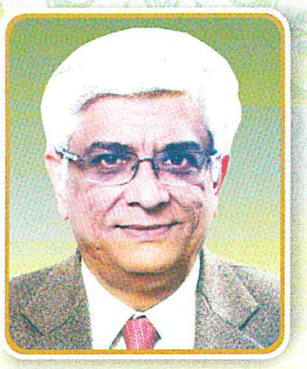
Padma Shri



Dr. Yogesh Chawla

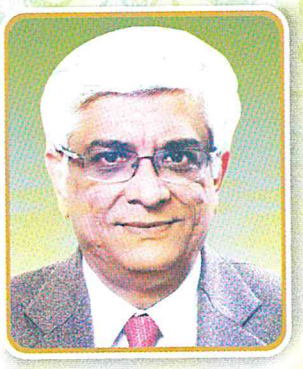
Dr. Yogesh Chawla is the Director & Professor and Head, Department of Hepatology of the Postgraduate Institute of Medical Education and Research (PGIMER), Chandigarh, one of the most prestigious Medical Institutes of the country.

2. Born on September 3, 1952, Prof. Chawla did his MBBS, MD (Medicine) from Jabalpur University, Madhya Pradesh and DM (Gastroenterology) from All India Institute of Medical Sciences, New Delhi. He joined the Department of Hepatology, PGIMER, Chandigarh in 1983. He has made immense contributions in the field of Hepatology. He has more than 400 papers in National as well as International Journals and 27 chapters in various Text Books on liver diseases to his credit. He started first Liver Intensive Care Unit in a Government Hospital, a model being emulated by other centres of the country. He also started the first D.M. (Hepatology) Doctoral Programme in the country in 2008, which now has been started in four other centres in India. He also developed the first Cadaveric Liver Transplant Programme at the Institute in 2011, which is now well recognized all over the country and abroad for its contribution in patient care and research.

3. As Director of the Institute since October 2011, Prof. Chawla started many new DM/M.Ch./Post-Doctoral super-specialty courses viz. Pediatric Critical Care, Pediatric Clinical Immunology & Rheumatology, Cardiac Anaesthesia, Clinical Haematology, Hematopathology, Pediatric Neurology, Neuro- Anaesthesia, Child and Adolescent Psychiatry, Addiction Psychiatry and Histopathology for the first time in the country. He has also started 'Innovation Bazar' for affordable medical innovation ideas by the faculty and residents and 'Research Day' where faculty showcases their research to all in institute and tricity, annually.

4. Prof. Chawla initiated the Heart and Pancreatic Transplant Programme in the Institute and introduced Robotic Assisted Surgery and Image Guide Radiotherapy for patients. He has introduced a Community Outreach Programme of "Asha Jyoti" mobile van having facilities for detection of early stage cancer in women, especially for slum areas of the neighboring states. He has introduced Tandem Mass Spectrometer for diagnosing metabolic disorders, a facility available only in one or two government hospitals in the country. He has started tele-evidence in the Institute which prevents doctors from going to far off places for court appearance. The PGI, under his dynamic leadership, was conferred the Best Healthcare Award by the Planning Commission, Govt. of India, in 2013, FICCI Award for Health Care Excellence for PGI in Medical Technology & Best Diagnostic Laboratory in 2014. PGI was adjudged 2nd Best Hospital in India in the survey conducted by Week Magazine in 2014. The Microbiology Department got the NABL Accreditation, the first and only public hospital to get this honour.

5. Prof. Chawla has received the prestigious Dr. B.C. Roy Medical Council of India Silver Jubilee Research Award, ICMR - Amrut Mody Unichem Prize, ICMR - M.N. Sen Oration Award, Parke Davis Oration Award of the Indian Society of Gastroenterology, Blumberg Oration, Madangopalan Oration, P.N. Chhuttani Oration, L.K. Bhutani Oration - AIIMS and Platinum Jubilee Lecture of the 101st Indian Science Congress.



डॉ. योगेश चावला

डॉ0 योगेश चावला, पोस्टग्रेजुएट इंस्टिट्यूट ऑव मेडिकल एजुकेशन एंड रिसर्च (पी जी आई एम ई आर) चंडीगढ़, जो देश के सर्वाधिक प्रतिष्ठित चिकित्सा संस्थानों में से है, के यकृत विभाग के निदेशक और प्रोफेसर तथा अध्यक्ष हैं।

2. आपका जन्म सितम्बर 03, 1952 को हुआ। आपने जबलपुर विश्वविद्यालय, मध्य प्रदेश से एम बी बी एस, एम डी (मेडिसिन) और अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान (एम्स), नई दिल्ली से डी एम (गैस्ट्रोएंटीरियोलॉजी) की। आपने वर्ष, 1983 में यकृत विभाग, पी जी आई एम ई आर, चंडीगढ़ ज्वॉइन किया। आपने यकृत चिकित्सा के क्षेत्र में अत्यधिक योगदान किया। लीवर की बीमारियों के संबंध में राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय पत्रिकाओं में आपके 400 से अधिक लेख और विभिन्न पाठ्य पुस्तकों में 27 अध्याय हैं। आपने सरकारी अस्पताल में अपना पहला लीवर इंटेंसिव केयर यूनिट शुरू किया, जिसे देश के दूसरे केन्द्रों में मॉडल माना गया। आपने वर्ष, 2008 में देश का पहला डी.एम. (हेप्टोलॉजी) डॉक्टोरल प्रोग्राम भी शुरू किया जिसे अब भारत के चार अन्य केन्द्रों में शुरू किया गया है। आपने संस्थान में वर्ष, 2011 में पहला कैडवैरिक लिवर ट्रांसप्लांट प्रोग्राम भी विकसित किया, जिसे अब रोगी की देखभाल करने और अनुसंधान कार्य में इसके योगदान के लिए पूरे देश और विदेशों में पूरी मान्यता प्राप्त है।

3. अक्तूबर, 2011 से संस्थान के निदेशक के रूप में आपने देश में पहली बार डी एम/एम.सीएच./पोस्ट-डॉक्टोरल सुपर-स्पेशिलिटी पाठ्यक्रम अर्थात् पैडिएट्रिक क्रिटिकल केयर, पैडिएट्रिक क्लीनिकल इम्यूनोलॉजी एंड रह्यूमाटोलॉजी, कार्डिएक एनेस्थीसिया, क्लीनिकल हैमेटोलॉजी, हैमेटोपैथोलॉजी, पैडिएट्रिक न्यूरोलॉजी, न्यूरो-एनेस्थीसिया, चाइल्ड एंड एडोल्सेंट साइकिएट्री, एडिक्शन साइकिएट्री और हिस्टो-पैथोलॉजी शुरू की। आपने फैकल्टी और रेजीडेंट्स तथा 'रिसर्च डे' द्वारा वहनीय चिकित्सा नवोन्मेषी विचारों के लिए 'इन्नोवेशन बाजार' भी शुरू किया जहां संकाय, वार्षिक आधार पर सभी संस्थानों और ट्राइसिटी में अपने अनुसंधानों को प्रदर्शित करते हैं।

4. आपने संस्थान में रोगियों के लिए हार्ट एंड पैंक्रिएटिक ट्रांसप्लांट कार्यक्रम की पहल की और रोबोटिक एसिस्टेड सर्जरी एंड इमेज गाइड रेडियोथैरपी शुरू की। आपने "आशा ज्योति" मोबाइल वैन का एक कम्यूनिटी आउटरीच प्रोग्राम शुरू किया जिसमें महिलाओं, विशेष रूप से पड़ोसी राज्यों के स्लम क्षेत्रों की महिलाओं में कैंसर की शुरूआती अवस्था का पता लगाने की सुविधाएं थीं। आपने उपापचयी गड़बड़ी का पता लगाने के लिए टैंडम मास स्पैक्ट्रोमीटर शुरू किया। यह सुविधा देश के केवल एक या दो सरकारी अस्पतालों में उपलब्ध है। आपने संस्थान में टेलि-ऐविडेंस शुरू किया, इससे डाक्टरों को अदालत में पेश होने के लिए दूर दराज़ के स्थानों पर नहीं जाना पड़ता है। आपके सुदृढ़ नेतृत्व में पी जी आई को योजना-आयोग, भारत-सरकार द्वारा वर्ष, 2013 में बेस्ट हैल्थकेयर पुरस्कार, हैल्थ केयर एक्सीलेंस के लिए पी जी आई को मेडिकल टैक्नोलॉजी में फिक्की पुरस्कार और वर्ष, 2014 में बेस्ट डाइग्नोस्टिक पुरस्कार प्रदान किया गया। वीक मेगज़ीन द्वारा 2014 में किए गए सर्वेक्षण में पीजीआई को भारत का दूसरा सबसे अच्छा अस्पताल माना गया था। माइक्रोबायोलॉजी डिपार्टमेंट को एन ए बी एल एक्रिडिटेशन मिला, जो यह सम्मान प्राप्त करने वाला पहला और अकेला पब्लिक अस्पताल है।

5. आपने प्रतिष्ठित डा0 बी.सी. राय मेडिकल काउंसिल ऑव इण्डिया सिल्वर जुबली रिसर्च पुरस्कार, आई सी एम आर-अमृत मोदी यूनिचेम पुरस्कार, आई सी एम आर-एम0एन0 सेन ओरेशन पुरस्कार, इण्डियन सोसाइटी ऑव गैस्ट्रोएंटिरियोलॉजी का पार्क डेविस ओरेशन पुरस्कार, ब्लूमबर्ग ओरेशन, मदनगोपालन ओरेशन, पी0एन0 छुट्टानी ओरेशन, एल0के0 भूटानी ओरेशन-एम्स और 101वें भारतीय विज्ञान कांग्रेस का प्लेटिनम जुबली व्याख्यान प्राप्त किए हैं।